

सकिाडा

[स्रोत : द न्यूयार्क टाइम्स](#)

अप्रैल, 2024 के अंत में अमेरिका के मध्य-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में दो अलग-अलग समूहों के एक ट्रिलियन [सकिाडा \(Cicadas\)](#) दिखाई देने की संभावना जताई है।

सकिाडा क्या हैं?

परिचय:

◦ [सकिाडा \(Cicadas\)](#) वे [कीड़े \(insects\)](#) हैं जो ऑर्डर हेमिप्टेरा और सुपरफैमिली सकिाडोइडिया से संबंधित हैं।

• हेमिप्टेरान कीट, जिन्हें [ट्रू बग](#) भी कहा जाता है, अपने माउथपार्ट का उपयोग भोजन ग्रहण करने के लिये करते हैं तथा उनके दो जोड़ी पंख होते हैं।

◦ वे अपना अधिकांश जीवन [भूमिगत](#) रहकर बिताते हैं और [मुख्य रूप से संभोग](#) के लिये [मृदा](#) से बाहर आते हैं। एक बार ज़मीन से बाहर निकलने के बाद, उनका जीवनकाल दो से चार सप्ताह के बीच होता है, जोकि काफी अल्प अवधि है।

प्राकृतिक आवास

◦ अधिकांश सकिाडा कैनोपी के आसपास रहते हैं और बड़े पेड़ों वाले प्राकृतिक जंगलों में पाए जाते हैं। अंटार्कटिक को छोड़कर ये हर महाद्वीप में पाए जाते हैं।

• विश्व में भारत और बांग्लादेश सामान्यतः सकिाडा सर्वाधिक मात्रा में पाये जाते हैं, उसके बाद चीन में।

उद्भव

◦ सकिाडा का जीवनचक्र जटिल होता है जिनमें [भूमिगत विकास](#) की लंबी अवधि और वयस्कों के उभरने की छोटी अवधि शामिल होती है।

• सकिाडों की [तीन प्रजातियाँ](#) होती हैं, जो हर [17 साल](#) में बाहर आते हैं और तीन प्रजातियाँ हर [13 साल](#) में बाहर आती हैं।

◦ मूल रूप से आवधिक सकिाडों के [30 अंडों \(broods\)](#) को भूगोल और उद्भव के समय के आधार पर वर्गीकृत किया गया था, लेकिन वर्तमान में कुछ विलुप्त होने के कारण केवल [15 अंडे](#) ही सक्रिय बचे हैं।

वशिष्टताएँ:

◦ शोधकर्ताओं का मानना है कि सकिाडा के [विकास की लंबी अवधि](#), जिसके दौरान वे भूमिगत पौधों के रस पर भोजन करते हैं, "[सकिाडा झोपड़ी \(hut\)](#)" बनाने और आस-पास के पेड़ों या वनस्पतिपर चढ़ने से पहले, ज़मीन के ऊपर शिकारियों से बचने से संबंधित हो सकती है।

◦ वयस्क सकिाडा [कछुए](#) तथा अन्य वन जीवों जैसे शिकारियों के प्रति [संवेदनशील](#) होते हैं और वे [सुरक्षा की कमी](#) के कारण आसानी से उनका शिकार बन जाते हैं।



क्या होता है जब सकिडस बाहर निकलते हैं?

■ तंत्र:

- भारी संख्या में ज़मीन से बाहर निकलने के बाद, सकिडस अपने बाह्यकंकालों (exoskeletons) को छोड़कर अपने पंखों वाले रूप में बदल जाते हैं, अक्सर छोड़े गए बाह्यकंकालों को पेड़ के तनों और टहनियों से चपिका कर छोड़ देते हैं।
- वयस्क सकिडस दो से चार सप्ताह की छोटी अवधि तक जीवित रहते हैं, जिसके दौरान वे थोड़ा खाते हैं, संभोग करते हैं और मादाओं को आकर्षित करने के लिये 100 डेसिबिल तक का तीव्र सामूहिक स्वर उत्पन्न करते हैं।

■ महत्त्व:

- शहरी क्षेत्रों में, सकिडा के मृत शरीर का उपयोग बगीचों और प्राकृतिक क्षेत्रों के लिये जैविक उर्वरक के रूप में किया जा सकता है।
 - वे प्राकृतिक वृक्ष माली के रूप में कार्य करते हैं और ज़मीन से बाहर निकलते समय अपने पीछे छोड़े गए छिद्रों से मृदा में वायु प्रसार करके पर्यावरण को लाभ पहुँचाते हैं, जिससे गर्मी के महीनों के दौरान पेड़ की जड़ों को पोषण देने के लिये वर्षा जल का अवशोषण होता है।
- पेड़ों में सकिडा द्वारा बनाई गई दरारें शाखाओं के टूटने का कारण बन सकती हैं, जिससे "फ्लैगिंग" हो सकती है, जो एक प्राकृतिक छँटाई प्रक्रिया है। सकिडा के वधित शरीर पेड़ों के लिये पोषक तत्त्व प्रदान करते हैं और जब शाखाएँ पुनः बढ़ती हैं, तो वे बड़े फल उत्पन्न करती हैं।